कारक

संस्कृत ६

कारक का शाब्दिक अर्थ :→ क्रिया को करने वाला

→ हिन्दी में कारक के भेद - आठ (संबंध, संबोधन)

परिभाषा :→ संज्ञा या सर्वनाम का वह रूप जो उसका संबंध क्रिया के साथ बताता है कारक कहलाता है।

उदा → तोता पेड़ पर बैठा है → कारक चिह्न | परसर्ग, विभक्ति

कारक	विभक्ति / परसर्ग	लक्षण
(1) कर्ता	ने	क्रिया करने वाला।
(2) कर्म	को	जिस पर क्रिया का प्रभाव पड़े।
(3) करण (साधन) अंग/भंग	(साधन) से / के द्वारा ✓	जिस साधन से क्रिया की जाए
(4) संप्रदान कारक	के लिए, के वास्ते	जिसके लिए क्रिया हो
(5) अपादान कारक	(अलगाव) से	जहाँ पर अलग होने का बोध हो
(6) संबंध कारक	का, की, के, रा, री, रे	जिससे संज्ञा का अन्य पदों से संबंध स्थापित होता है।
(7) अधिकरण ✓	में, पर (को) समय का बोध	क्रिया होने का आधार
(8) संबोधन कारक	अरे, ओ, अए, हे	जिससे संबोधित किया जाए

① कर्ताकारक (ने) क्रिया को करने वाला —

सकर्मक
भूतकाल

→ राम ने पत्र लिखा

सीता ने खाना खाया

मोहन सो रहा है।

पिता जी खाना खा रहे हैं

सोहन अब पढ़ेगा ✓

2 कर्म कारक (को)

क्रिया का प्रभाव जिस पर पड़ता है वह कर्म कारक होता है।

→ राम ने धोबी को कपड़े दिए। (धोबी – कर्म)

→ नीरज को गुरुजी ने पीटा।

→ राम ने रावण को मारा। (रावण – कर्म)

* हार्दिक ने बैल को पानी पिलाया

टीकम ने राहुल को पुस्तक दी (राहुल कर्म)

(3) करण कारक :→ (साधन) से / के द्वारा जिससे क्रिया को करने का पता चलता है।

उदा :- ① माँ ने चाकू से सब्जी काटी।

② राहुल मशीन द्वारा कपड़े धोता है।

③ ज्योति ने कलम से पत्र लिखा।

④ बच्चे बस द्वारा पाठशाला जाते हैं।

⑤ गोपाल साइकिल से बाजार जाता है।

विशेष अंग भंग की स्थिति में करण कारक होता है।

(1) राम पैर से लगड़ा है।

(2) मोहन आँख से अंधा है।

साधन - पैर, आँख

Q गोपाल कलम से कहानी लिखता है वाक्य में कारक बताओ?

(A) कर्ता (B) करण (C) अपादान (D) कर्म

④ संप्रदान :→ (के लिए, के वास्ते) वाक्य का कर्त्ता जिसके लिए कोई कार्य करता है वह संप्रदान कारक होता है

(इस कारक कोई भी हमेशा के लिए दी जाती है।)

① राहुल रोशनी के लिए उपहार लाया।

② श्याम माँ के लिए दवाई लाया।

③ राजा ने भिखारी को कपड़े दिए।

(के लिए)

⑤ अपादान कारक :→ (से)

इस कारक में अलगाव का बोध होता है।

(1) हिमालय से गंगा निकलती है।

(2) राम दिल्ली से जयपुर जाता है।

(3) पेड़ से पत्ते गिरते हैं। बिल्ली छत से कूद गई।

④ सीता गीता से सुन्दर है (तुलना)

⑤ सीता साँप से डरती है (भय, डर)

(6) संबंध कारक :→ (का, की, के, रा, री, रे) जिस वाक्य में संज्ञा, सर्वनाम वाक्य के अन्य संज्ञा, सर्वनाम से संबंध बताते हैं। —

उदा :→ मोहन के पिता जी मास्टर हैं।

राम मेरा छोटा भाई है।

मेरे नाना दिल्ली रहते हैं।

मेरा पेन नीला है।

मेरा दोस्त दरोगा है।

(7) अधिकरण कारक :→ (में, पर) जिस कारक से क्रिया के आधार का पता चलता है।

उदा :→ राम घर में पढ़ रहा है।
पक्षी डाल पर बैठा है।
पुस्तक मेज पर रखी है।

सम्बोधन के

मैदा शाम को आएगा

④ संबोधन कारक → (हे, अरे, ओ, अरे) इस कारक का प्रयोग संबोधित करने में किया जाता है।

(!)

हे भगवान! रक्षा करो।

अरे भाई! इधर मत जाओ।

ओ! ज़रा सुनो।